राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

सामूहिक विवाह समारोहों से दहेज–प्रथा पर नियंत्रण लगेगा–राज्यपाल

पटना, 18 जून 2017

''सामूहिक विवाह समारोह आज हमारे समाज के लिए बेहद जरूरी हो गये हैं। एक तो इनसे फिजूलखर्ची पर नियंत्रण होगा, दूसरे दहेज आदि अन्य सामाजिक कुपरम्पराओं पर भी रोक लगेगी।''–उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने माँ वैष्णव देवी सेवा समिति द्वारा स्थानीय एस॰के॰ मेमोरियल हॉल में आयोजित 'सामूहिक विवाह समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि बिहार में 'शराबबंदी' लागू हुई है। उसके बेहतर सामाजिक परिणाम नजर आ रहे हैं और अब पूर्ण नशाबंदी, दहेज–उन्मूलन आदि की ओर हमें तेजी से कदम बढ़ाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि यह अत्यन्त दुःखद है कि हम आज भी बेटे और बेटियों में फर्क करते हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया ऐसी मानसिकता वाले आखिर समाज को किधर ले जाना चाहते हैं? श्री कोविन्द ने कहा कि आप इतिहास उठाकर देख लें, भारत देश में ही नारियों का कितना गौरवमय इतिहास रहा है। स्वतंत्रता–आंदोलन के दौरान और उसके बाद भी, भारतीय राजनीति में ही नहीं, ज्ञान–विज्ञान के हरेक क्षेत्र में एक–से–बढ़कर–एक ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं, जो यह साबित करते हैं कि बेटों से किसी मायने में कम बेटियों की प्रतिभा नहीं रही है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के 'दीक्षांत–समारोह' में स्वर्ण पदक प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों में आधे–से–अधिक छात्राएँ ही रहती हैं। फिर, ऐसे समाज में दहेज लेकर बेटे वाले शादियाँ करें –क्या मतलब इसका? हमें इस ओर गंभीरता से सोचना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि सामूहिक विवाह–समारोह पूरे राज्य में आयोजित होने चाहिए। उन्होंने समारोह के दौरान नव–विवाहित युवक–युवतियों को सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रक्षेत्रों में बिहार का नाम रोशन करनेवाले छः प्रतिभाशाली युवाओं को राज्यपाल ने सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं जदयू के प्रांतीय अध्यक्ष श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, समिति के अध्यक्ष श्री जगजीवन सिंह, सचिव श्री प्रदीप अग्रवाल तथा समिति के अन्य कई अधिकारी भी उपस्थित थे।

.....